

1, 19, 2, 14. *Āc.* 3, 10. *Āh.* 3, 10. *Up.* 6, 9, 3. *M.* 1, 40, 2, 201, 4, 207, 11, 70, 240, 42, 42, 56. *MBh.* 3, 11466, 16235, 13, 5729, fgg. *R.* 2, 23, 16. *Su.* 1, 4, 20, 170, 15, 2, 238, 7, 287, fgg. (von den giftigen Insecten). 368, 18. *Ṣaṅg.* 6, 20, 48, 6, 49, 18 (आग्नेयः कीटः). *PAṆ.* 104, 6. *R.* 2, 13. कीटानुवेध *Sih.* D. 3, 18, 19. कीटानुविद्धत्वं 21. *Ind. St.* 2, 280. कीटः पेशस्कृता रुद्धः कुड्यायां तमनुस्मरन्। संरम्भयोगेन विन्दते तत्स्वप्नताम्॥ *Bhāg.* P. 7, 1, 27. एनः पूर्वकृतं यत्तद्वाजानः कृजवैरिणः। इहस्ते ऽन्ते तदात्मानः कीटः पेशस्कृतो यथा ॥ 10, 38. कीटो ऽपि सुमनःसद्गादोराकृति सतां शिरः *Hir.* Pr. 43. Als Ausdruck der Verachtung: केयं माता पिशाची क इव च जनको धातरः के ऽत्र कीटा वध्यो ऽयं बन्धुवर्गः कुटिलविटमुहूर्त्तछिन्ता ज्ञातयो ऽमी *Prab.* 36, 8. पत्तिकीट *ein elender Vogel* *PAṆ.* 73, 19. — Vgl. कर्पाकीटा (°कीटी), कलकीट, काष्ठ°, केश°.

कीटक (von कीट 1) m. a) = कीट *H. an.* 3, 24. *Med.* k. 68. — b) *eine Art Barde* (मागधजाति) *Dhāt.* im *ÇKDr.* — c) *N. pr.* eines Fürsten *MBh.* 1, 2696. — 2) adj. *hart* (निष्ठुर) *H. an.* *Med.* — Vgl. u. कीकसा.

कीटगर्भक s. u. गर्भक.

कीटघ्न (कीट + घ्न) m. *Schwefel* (*Insecten tödtend*) *Riṅ.* im *ÇKDr.*

कीटज (कीट + ज) 1) n. *Seide* *M.* 11, 168. *MBh.* 2, 1847. — 2) f. *°जा* *eine best. von einem Insect herrührende rothe Farbe* (s. लाजा) *Ratsam.* im *ÇKDr.*

कीटपादिका (कीट + पाद) f. *N.* einer Pflanze, *Cissus pedata* *Lam.* (कुसुमपदी), *Riṅ.* im *ÇKDr.*

कीटमणि (कीट + मणि) m. *Schmetterling* *H. c.* 173.

कीटमाता (°मातर?) f. = कीटपादिका *Bhāvr.* im *ÇKDr.* Auch कीटमारी f. *Riṅ.* ebend.

कीटशत्रु (कीट + शत्रु *Feind*) und कीटारि (कीट + अरि *Feind*) *eine best. Pflanze* *Su.* 2, 23, 18. 330, 16.

कीटि m. *N.* einer Pflanze, *Amaranthus polygamus* *L.* (ताण्डुलीयशाक), *Bhāvr.* im *ÇKDr.*

कीटक्ष (1. कि [किट्] + दत्त) adj. *qualis, wie beschaffen, wie geartet, was für ein* *Siddh.* K. 62, a, 12. *Vop.* 26, 83, 85.

कीटिम् (1. कि + दम्) adj. *dass.* P. 6, 3, 90. *Vop.* 26, 83, 85. कीटिन्द्रः सरमे का देशिका *RV.* 10, 108, 3. वपुस्तेनश्च कीटिग्वै *MBh.* 13, 2273. *PAṆ.* 63, 10, 85, 20, 107, 8, 233, 9. बात्यादते विना भर्तुः कीटिक्तस्याः (कन्यकायाः) पितुर्गृहम् *was hat das Vaterhaus für eine Bedeutung für sie?* *Kāthās.* 24, 39. यद्येतानि जयन्ति कृत परितः शस्त्राण्यमोघानि मे तद्वाः कीटिगतां विवेकविभवः कीटिक्प्रबोधादयः *wie steht es dann mit jener Macht des Verstandes? wie mit der Entstehung des Begriffs?* *Prab.* 7, 8. Am Anf. eines comp.: कीटिगवर्षो ऽपि वा देवि कीटिद्रूपश्च दृश्यते *MBh.* 13, 4086. Mit folgendem च und vorangegehendem यावत् *qualiscumque*: तदेव यादक्कीटिक्क होतव्यम् *Schol.* zu *Kāṭj.* *Ça.* 1, 2, 20.

कीटिश् (1. कि + दश्) adj. f. *ḥ* *dass.* P. 6, 3, 90. *Vop.* 26, 83, 85. कीटिशाः साधवो विप्राः केभ्यो दत्तं महाफलम्। कीटिशानां च भोक्तव्यं तन्मे ब्रूहि पितामह ॥ *MBh.* 13, 1562. *R.* 3, 27, 14, 5, 12, 3. *PAṆ.* 130, 10. *Vet.* 1, 10. *Prab.* 84, 1. fem. *PAṆ.* Pr. 7. *Çāk.* Ch. 91, 3.

कीन n. *Fleisch* *H.* 623. — Vgl. कीर.

कीनारि viell. = कीनाश *Pflüger*: कीनारि स्वदेमासिद्धिदाना *RV.* 10, 106, 10.

कीनाश (कीनाश *Up.* 3, 56) m. *Pflüger*: ध्रुवं कीनाशो ऽग्निं यन्तु वृद्धिः *RV.* 4, 37, 8. *VS.* 30, 11. *AV.* 4, 11, 10. 6, 30, 1. कीनाशो गोवृषो यानमलं-कारश्च वेष्टम च। विप्रस्यौद्धारिकं देयमेकांशश्च प्रधानतः ॥ *M.* 9, 150. नव-धार्थ्यं प्रदातव्या (धेनुः) न कीनाशे न नास्तिके *MBh.* 13, 3359. एवं स्वभर-णाकल्पं तत्कलत्रादयस्तदा। नाद्रियते यथापूर्वं कीनाश इव गोवरम् ॥ *Bhāg.* P. 3, 30, 14. *Die Armuth des leibeigenen und daher vererb't* *aren* (vgl. oben die Stelle aus *M.*) *Pflügers* ist sprichwörtlich, so dass कीनाश bisweilen so v. a. *ein bettelarmer Mann* ist: अनाद्विताग्निः शतगुरुर्यथा च सहस्रगुः। समृद्धो यश्च कीनाशो नार्थमर्हति ते त्रयः ॥ *MBh.* 13, 3743. अर्थान्काङ्क्षन्ती कीनाशाद्विसस्तैर्यं करोति यः 4516. कं नु लोकां गमिष्यामि वामहं पतिमाश्रिता। न्यस्तकर्मणामासीनं कीनाशमविचक्षणम् ॥ 14, 601. आस्त्रान्दी दन्तिषार्थस्य स तत्र भूकुटीमुखः। सतकुम्भीनिधानो हि कीनाशो गोपते द्वित्रैः ॥ *Kāthās.* 24, 87. य उद्यतमनादृत्य कीनाशमभियाचते (*miss-verstanden von Burnouf*)। क्षीयते तद्यशः स्फीतं मानश्चावतया कृतम् ॥ *Bhāg.* P. 3, 22, 13. Nach den Lexicographen: 1) adj. a) *pflügend.* — b) = *kurz* (welches unter Anderm auch *arm; geizig* bedeutet; *smal, little* *Wils.*) *AK.* 3, 4, 28, 217. *H. an.* 3, 719. *Med.* c. 18. *geizig* *H.* 368. — c) = *पशुघातिन्* *Vieh schlachtend* *H. an.*; statt dessen *Med.*: उपापशुघाति-न् *im Geheimen tödtend.* — 2) m. a) *eine Affenart* (vgl. कीश) *Svāmin* zu *AK.* im *ÇKDr.* — b) *ein Bein.* *Jama's Up.* 5, 56. *AK.* *Tri.* 3, 3, 302. *H.* 184. *H. an.* *Med.* — c) *ein Rākshasa* *H.* 187. — कीनाश könnte aus किनाश entstanden sein; dieses liesse sich in किम् + नाश (von नम् = 1. अम्) zerlegen, welches bedeuten könnte: *der zu keinem Besitz gelangt.* Die Bedeutung *ein armer Mann* kann also die ursprüngliche sein. kann aber auch, nachdem die Etymologie des Wortes nicht mehr ge-fühlt wurde, sich wiederum aus der des *Pflügers* entwickelt haben.

कीम् s. आकाम् und माकाम्.

कीर 1) m. a) *Papagei* *AK.* 2, 5, 21. *Tri.* 2, 3, 17. *H.* 1333. *an.* 2, 402. *Med.* r. 16. *Vet.* 19, 14. — b) *das Land und die Bewohner* (pl.) von Kaç-mira *Tri.* 2, 1, 8. *H. an.* *Med.* *Mudrā.* 112, 1. in Verbindung mit का-स्मीर *Varāh.* *Brh.* S. 14, 29 in Verz. d. B. H. 242. — 2) n. *Fleisch* (vgl. कीन) *Riṅ.* im *ÇKDr.*

कीरक m. 1) *das Erlangen* (प्रापण). — 2) = *तपणक* (s. d.). — 3, *ein best. Baum* (वृक्षभेद) *Dhāt.* im *ÇKDr.*

कीरवर्षक (कीर 1, a. + वर्षा) n. *ein best. Parfum* (स्त्रीणोपक) *Riṅ.* im *ÇKDr.*

कीरि (von 2. कार्) m. 1) *dankbare oder rühmende Erinnerung, — Erwähnung; Gedicht, Lobpreis*: कीरिणी देवान्ममोपशितं *RV.* 5, 40, 8. स कीरिणी चित्सनिता धनानि 4, 100, 9. यस्त्वा कृदा कीरिणी मन्यमानो ऽमर्त्यं मर्त्यो ज्ञाह्वीमि 5, 4, 9. — 2) *Lobsänger, Dichter* (vgl. 2. कार्): कीरिश्चिन्मदं मनसा वनोपि तम् *RV.* 4, 31, 13. 2, 12, 6. 5, 82, 12. दाता वसुं स्तुवते कीरिं चित् 6, 23, 3. 37, 1. 7, 97, 10. 21, 8. ध्रुवासौ अग्र्य कीरयो ज-नासः 100, 4. 8, 92, 13. 10, 41, 2. 67, 11.

कीरिचैदन (कीरि + चो) adj. *Lobpreis — oder den Lobsänger trei-bend, fördernd* *RV.* 6, 43, 19.

कीरिष्ट (कीर 1, a. + इष्ट *erwünscht*) m. *N.* verschiedener Pflanzen: 1) *Mangifera indica* *L.* (आम्र). — 2) = *आलोढ*. — 3) = *जलमधूक* *Riṅ.* im *ÇKDr.*